आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 02.11.2024 समय : 1905

<><><><><><><>

- क्षेत्रीय लेखा कार्यालय के संयुक्त रक्षा लेखा नियंत्रक की ओर से माह–व्यापी स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
- आयुष अस्पताल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत नवजात शिशुओं के जन्म दोषों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मध्योत्तर अंडमान ज़िला टीबी अधिकारी डॉ. प्रबीर कुमार पालित और उनकी टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किशोरी नगर का दौरा किया।
- द्वीपसमूह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का कल समापन हो गया।
- द्वीपसमूह के कई भागों में वर्षा हुई।

<><><><><><><>

क्षेत्रीय लेखा कार्यालय के संयुक्त रक्षा लेखा नियंत्रक की ओर से माहव्यापी स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। तीस नवंबर तक बुनियादाबाद के अयप्पा मंदिर के पास सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक कार्यक्रम आयोजित होगा। यह कार्यक्रम रक्षा पेंशनभोगियों, नागरिक पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की सहायता के लिए आयोजित की जा रही है, जिनकी पेंशन नए स्पर्श मॉड्यूल में स्थानांतरित हो गई है। स्पर्श, प्रश्नों के आधार पर विसंगतियों और अन्य पेंशन संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। रक्षा मंत्रालय के रक्षा लेखा नियंत्रक ने स्पर्श यानी पेंशन प्रशासन प्रणाली–रक्षा लागू की है, जो सभी रक्षा और नागरिक पेंशनभोगियों के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान करने वाला एक व्यापक पेंशन पैकेज है। अंडमान निकोबार कमान के क्षेत्रीय लेखा कार्यालय ने भी सभी रक्षा पेंशनभोगियों, नागरिक पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों से इसमें शामिल होने का अनुरोध किया है, ताकि उनकी पेंशन संबंधी सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

<><><><><><><>

आयुष अस्पताल में हाल ही में चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत नवजात शिशुओं के जन्म दोषों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नवजात शिशुओं में शारीरिक विकृतियों जैसे फटे होंठ या तालू, डाउन सिंड्रोम जैसी गुणसूत्र संबंधी असामान्यताएं, जन्मजात बहरापन और मोतियाबिंद, हीमोग्लोबिन की कमी और समय से पहले जन्म से संबंधित जटिलताओं की पहचान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन मलेरिया उप निदेशक डॉ. अजीत कुमार ने किया। कार्यक्रम में आयुष के उप–निदेशक डॉ. कल्याण पी कदभाने भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. प्रगदीश और डॉ. रितु स्रोत अधिकारी के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से कुल पच्चीस प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। यह पूरा कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. सुजा एंथनी की देखरेख में आयोजित किया गया।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मध्योत्तर अंडमान ज़िला टीबी अधिकारी डॉ. प्रबीर कुमार पालित और उनकी टीम ने निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए हाल ही में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किशोरी नगर का दौरा किया। ज़िला टीबी अधिकारी ने प्रयोगशाला की जांच की और संभावित टीबी जांच के लिए थूक रेफरल में वृद्धि के संबंध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से बातचीत की। उन्होंने टीबी के लक्षण, प्रसार, रोकथाम, निक्षय पोषण योजना और निक्षय मित्र पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में आदान–प्रदान सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोगों की शंकाओं का समाधान किया गया। जिला टीबी अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डिगलीपुर का भी दौरा किया। जागरूकता कार्यक्रम में डिगलीपुर के सुभाषग्राम ग्राम पंचायत के पंचायत प्रमुख दीपांकर मिस्त्री, चिकित्सा अधिकारी डॉ. निथय, विस्तार अधिकारी और क्षेत्र के पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों सहित कुल बावन लोगों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का कल समापन हो गया। समापन समारोह टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। इस वर्ष का विषय ''सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि'' रखा गया था। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य सचिव ए एस पी एस रवि प्रकाश मुख्य अतिथि थे। सप्ताह के दौरान कल श्री विजयपुरम के टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम द्वारा युवाओं को समाज से भ्रष्टाचार को खत्म करने के बारे में अपने विचार व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान किया गया। वाद–विवाद प्रतियोगिता के अलावा, पुलिस मनोरंजन टीम द्वारा सतर्कता और भ्रष्टाचार की सूचना देने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने भाषण और वाद–विवाद प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। भ्रष्टाचार रोधी इकाई के पुलिस अधीक्षक ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भ्रष्टाचार निवारण इकाई द्वारा जनता को भ्रष्टाचार में लिप्त सरकारी कर्मचारियों के बारे में कोई भी जानकारी देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने आम जनता से अनुरोध किया कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी भी प्रकार की जानकारी पुलिस अधीक्षक, उप–पुलिस अधीक्षक, थाना अध्यक्ष, भ्रष्टाचार निवारण इकाई के साथ साझा करने को कहा है।

<><><><><><><>

वस्तु और सेवा कर–जी.एस.टी. का राजस्व संग्रह अक्तूबर माह में नौ प्रतिशत बढ़कर एक लाख सत्तासी हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया। जी.एस.टी. के राजस्व संग्रह में यह दूसरी रिकॉर्ड सर्वाधिक बढ़ोतरी है। घरेलू बिक्री और बेहतर अनुपालन के कारण यह वृद्धि दर्ज की गई है। अक्तूबर माह में केन्द्रीय जी.एस.टी. के रूप में तैंतीस हजार आठ सौ इक्कीस करोड़ रुपये, राज्य जी.एस.टी. के रूप में इकतालीस हजार आठ सौ चौंसठ करोड़ रुपये और एकीकृत जी. एस.टी. निन्यानब्बे हजार एक सौ ग्यारह करोड़ रुपये तथा उपकर बारह हजार पांच सौ पचास करोड़ रुपये एकत्र हुए। कुल सकल जी.एस.टी. राजस्व संग्रह आठ दशमलव नौ प्रतिशत से बढकर एक लाख सत्तासी हजार तीन सौ छियालीस करोड़ रुपये हो गया। पिछले वर्ष इसी माह में जी.एस.टी. संग्रह एक लाख बहत्तर हजार करोड़ रुपये था।

<><><><><><><>

गाराचरमा के श्री धनदायुथपानी मंदिर में आज से कंथ सष्टि सूरा सम्हारम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम सात नवम्बर को आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह के कई भागों में वर्षा हुई। वायु सेना केन्द्र कार निकोबार में आज सुबह साढ़े आठ बजे तक अड़तालीस मिलीमीटर, श्री विजयपुरम में इक्कतीस दशमलव दो, कार निकोबार में पच्चीस, हटबे में तेईस दशमलव आठ, लांग आइलैंड में चार दशमलव आठ और ननकौड़ी में चार दशमलव चार मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम संबंधी पूर्वानुमान में बताया गया है कि मंगलवार को द्वीपों के एकाध भागों में भारी वर्षा हो सकती है।

<><><><><><><>

सी आर सी ने शिक्षा निदेशालय के सहयोग से हाल ही में कैम्पबेल बे सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न दिव्यांगता संबंधी पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्कूल की प्रधानाचार्या बिंदु वर्मा ने समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने में जागरूकता और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। सीआरसी की निदेशक सुमिता मोल ने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें कौशल विकास पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता समावेशी समाज बनाने की कुंजी है। दिव्यांग आदिवासी छात्रों को उनसे संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी पाठ्यक्रम पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सत्तर से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

<><><><><><><>